

उपलब्धि 20 हजार वर्गमीटर परिसर में बनेगी 10 मंजिला इमारत

आइआइटी में खुलेगा प्रदेश का पहला इंडस्ट्रियल रिसर्च पार्क

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. इंडस्ट्री और एजुकेशन के बीच की दूरियों को मिटाने के लिए देशभर में इन्व्यूबेशन सेंटर खोले जा रहे हैं। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आइआइटी), इंदौर ने इससे भी एक कदम आगे बढ़ते हुए प्रदेश का पहला इंडस्ट्रियल रिसर्च पार्क शुरू करने की तैयारी की है। इसमें इंडस्ट्रीज को रिसर्च और इनोवेशन के लिए पूरा सेटअप मिलेगा। आइआइटी के फैकल्टी, रिसर्च स्कॉलर और छात्र भी इंडस्ट्री की रिसर्च में कंधे से कंधा मिलाएंगे।

इंडस्ट्रियल रिसर्च पार्क का उद्देश्य इंडस्ट्रीज को रिसर्च में मदद के साथ उनकी कठिनाइयों का समाधान निकालना है। इसके साथ-साथ आइआइटी में पढ़ने वालों की उद्यमिता क्षमता का भी विकास होगा। इंडस्ट्रियल पार्क के लिए आइआइटी परिसर में ही 20 हजार



वर्गमीटर के क्षेत्र में 10 मंजिला इमारत तैयार होगी। कंपनियां अपनी जरूरत के अनुसार आइआइटी के रिसर्च संसाधनों का इस्तेमाल करेंगी। इसके अलावा वे निर्धारित अवधि के लिए अपना ऑफिस भी इस पार्क में स्थानांतरित कर सकेंगी।

आइआइटी के प्रभारी निदेशक प्रो. निलेश कुमार जैन ने बताया, इंडस्ट्रियल रिसर्च पार्क का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा जा चुका है। इंडस्ट्री की हर जरूरत को पूरा करने की कोशिश है।

विकास को भी मिलेगी रफ्तार

प्रो. जैन का कहना है, उन क्षेत्रों का चयन करेंगे, जहां मध्य प्रदेश को ताकत मिली है और उसकी जरूरतें पूरी हो सकती हैं। रक्षा, सौर ऊर्जा, कृषि, ग्रामीण विकास और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिन पर स्तरीय रिसर्च और इनोवेशन का काम किया जा सकता है। इसके साथ ही संस्थान के विद्यार्थियों को भी बड़ा फायदा मिलेगा।